बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना

वर्ष 2017 का मॉडल प्रश्न पत्र एवं उत्तरमाला

उद्यमिता (ENTREPRENEURSHIP)

{Commerce}

SET : 02

खण्ड (Section) -1
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective)

कुल अंक (Total Marks)	28
कुल प्रश्नों की संख्या (Total No. of Questions)	28

खण्ड (Section) -2
गैर–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Non-Objective)

कुल अंक (Total Marks)	42
लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)	08(प्रत्येक 3 अंक)
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)	03(प्रत्येक 6 अंक)

खण्ड़–1 (Section-1)

निर्देश :–यहाँ पर बहुत सारे वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर सहित दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह के 28 प्रश्न दिये जाएँगे और आपको सभी 28 प्रश्नों के उत्तर OMR SHEET पर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।
(Numbers of Objective question with answer are given below. 28 questions of this type will be given in examination you have to answer all 28 questions in OMR SHEET. Each question carries 1 mark.)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (Objective Type Question)

1. ज्ञान अर्जन प्रक्रिया में शामिल होते है :–
   (A) संचालन (B) मनोभाव
   (C) अनुक्रिया (D) उपर्युक्त सभी

   Learning Process involves:-
   (A) Drive (B) Cue
   (C) Response (D) All of these

2. उपक्रम का चुनाव करते समय ध्यान देने योग्य बिन्दु है :–
   (A) उत्पाद (B) विपणन
   (C) पूँजी की उपलब्धता (D) इनमें से कोई नही
   The Point which Considered while selecting an enterprise is:-
   (A) Product (B) Marketing
   (C) Availabity of capital (D) None of these

3. यदि उत्पादन छोटे पैमाने पर करना हो तो एक उद्यमी व्यवसाय के किस प्रारूप को पसंद करता है ?
(A) एकांकी व्यापार (B) साक्षेदारी
(C) कंपनी (D) इनमें से कोई

An Entrepreneur prefers which form of organization if production is to be undertaken on small scale basis ?
(A) Sole Trade (B)Partnership
(C) Company (D) None of these

4. नियोजन है :–
(A) आवश्यक (B) अनावश्य
(C) समय की बर्बादी (D) धन की बर्बादी

Planning is:-
(A) Necessary (B) Unnecessary
(C) Wastage of time (D) Wastage of money

5. एक अच्छी योजना होती है :–
(A) खर्चीली (B) समय लेने वाली
(C) लोचपूर्ण (D) संकीर्ण

A good plan is:-
(A) Expensive (B) Time consuming
(C) Flexible (D) Rigid

6. एक परियोजना है :–
(A) गतिविधियो का समूह
(B) एकल गतिविधि
(C) असंख्य गतिविधियो का समूह
(D) इनमें से कोई नही

Project is :-
(A) Cluster of activities
(B) Single activity
(C) Group of innumerable activities
(D) None of these

7. DPR है :–
(A) कार्य योजना (B) कार्यवाही योजना
(C) क्रियान्वयन योजना (D) उपर्युक्त में से कोई नही

DPR is :-
(A) Working Plan (B) Action Plan
(C) Implementation Plan (D) None of these

8. शुद्ध कार्यशील पूँजी का अर्थ है :–
(A) चालू सम्पतियाँ – चालू दायित्व
(B) चालू सम्पतियाँ + चालू दायित्व
(C) चालू दायित्व – चालू सम्पतियाँ
(D) उपर्युक्त में से कोई नही

Net working capital means:-
(A) C.A. – C.L.
(B) C.A. + C.L.
(C) C.L. – C.A.
(D) None of these

9. अंतिम रहतिया है :–
(A) कोष के स्त्रोत (B) कोष का प्रयोग
(C) कोष का प्रवाह (D) इनमें से कोई नही

Closing stock is :-
(A) Source of fund (B) Application of fund
(C) No flow of fund (D) None of these

10. अंश अधिमूल्य में वृद्धि है :–
(A) कोष के स्त्रोत (B) कोष का प्रयोग
(C) कोष का प्रवाह (D) इनमें से कोई नही

Increase in share premium is :-
(A) Source of fund (B) Application of fund
(C) No flow of fund (D) None of these

11. चालू अनुपात होता है :–
(A) आर्थिक चिट्ठा अनुपात (B) लाभ–हानि अनुपात
(C) मिश्रित अनुपात (D) इनमें से कोई नही

Current Ration is:-
(A) Balance sheet Ratio (B) P/L Ratio
(C) Composite Ratio (D) None of these

12. सुरक्षा सीमा :–
(A) बिक्री घटाव अंशदान
(B) वास्तविक बिक्री घटाव
(C) B.E.P. पर बिक्री घटाव वास्तविक बिक्री
(D) इनमें से कोई नही

Margin of safety: _
(A) Sales less contribution
(B) Actual sales less B.E.P. sales

(C) B.E.P. sales less actual
(D) None of these

13. भारत सरकार द्वारा निर्गमित दिशा–निर्देशों के अनुसार साहसिक पूँजी कोष के लिए ऋण–समता अनुपात निम्न है :–
(A) 1.5 (B) 2.0
(C) 0.5 (D) 2.5

According to guidelines issued by government, debt-equity ratio for venture capital fund is :-
(A) 1.5 (B) 2.0
(C) 0.5 (D) 2.5

14. श्रम–गहन प्रौद्योगिकी उपर्युक्त है क्योकि इसका संबंध है :–
(A) प्रकृति में अविचलन
(B) प्रकृति में गतिशील
(C) प्रकृति में रूकी हुई
(D) उपर्युक्त सभी।

Labour-intensive technique is appropriate because it relates with-
(A) Unstable Nature
(B) Movable Nature
(C) Constant Nature
(D) All of these

15. "प्रबंध एक पेशा है।" यह कथन है :–
(A) जार्ज आर. टैरी (B) अमेरिकन प्रबंध ऐसोसिएशन
(C) हेनरी फेयोल (D) इनमें से कोई नही।

"Management is a Profession." This statement is of :-
(A) George R. Terry (B) American management association
(C) Henry Fayol (D) None of these

16. विपणन पर व्यय किया गया धन है :–
(A) बर्बादी
(B) अनावश्यक व्यय
(C) ग्राहको पर भार
(D) विनियोजन

Money spent on marketing is:-
(A) Wastage
(B) Unnecessary
(C) Burden on the customers
(D) Investment

17. विपणन अवधारणा है :–

(A) उत्पादोन्मुखी (B) विक्रयोन्मुखी

(C) ग्राहकोन्मुखी (D) ये तीनों।

Marketing concept is :-

(A) Production – oriented

(B) Sales – oriented

(C) Customer – oriented

(D) All of these

18. IFCI स्थापित की गई, वर्ष में :–

(A) 1939 (B) 1948

(C) 1950 (D) 1956

IFCI was established in the year :-

(A) 1939 (B) 1948

(C) 1950 (D) 1956

19. टेलीफोन व्यय है :–

(A) स्थायी (B) चल

(C) अर्द्ध–चल (D) इनमें से कोई नही।

Telephone Expense is:-

(A) Fixed (B) Variable

(C) Semi-Variable (D) None of these

20. समामेलन का अर्थ है :–

(A) एक संगठन द्वारा दूसरे संगठन को ले लेना

(B) छो या अधिक व्यवसायों का मिश्रण

(C) अन्य संगठन में नियंत्रक अंश प्राप्त करना

(D) उपर्युक्त में से कोई नही।

Marger means :-

(A) Taking over one organization by another organization

(B) Combination of two or more business

(C) Acquiring controlling interest in the other organization

(D) None of above.

21. प्रबंध क्या है :–

(A) कला (B) विज्ञान

(C) कला और विज्ञान दोनो (D) इनमें से कोई नही।

Management is :-

(A) Art (B) Science

(C) Art and Science (D) None of these

22. लेबलिंग क्या है :–

(A) अनिवार्य (B) आवश्यक
(C) ऐच्छिक (D) धन की बर्बादी।

Labeling is:-
(A) Compulsory (B) Necessary
(C) Voluntary (D) Wastage of money

23. सबसे अधिक व्यापक श्रेत्र है :–
(A) ब्राण्ड (B) लेबलिंग
(C) पैकेजिंग (D) व्यापार मार्क।

Maximum wide scope is of:-
(A) Brand (B) Labeling
(C) Packing (D) Trade mark.

24. विज्ञापन का उद्देश्य है :–
(A) सम्भावित क्रेताओं को आर्कषित करना
(B) ग्राहक को सूचना देना और मार्गदर्शन करना
(C) उत्पादो का प्रचार करना
(D) इनमें से कोई नही।

The purpose of advertisement is :-
(A) To attract potential buyers
(B) To inform and guide customers
(C) To make publicity of product
(D) All of the above

25. दीर्घकाल ऋण पर होता है :–
(A) स्थिर ब्याज दर
(B) परिर्वतनशील ब्याज दर
(C) शून्य ब्याज दर
(D) डपर्युक्त में से कोई नही।

Long –term loan bears:-
(A) Fixed rate of interest
(B) Flexible rate of interest
(C) Zero rate of interest
(D) None of above

26. कार्यशील पूँजी वर्गीकृत हो सकती है :–
(A) स्थायी कार्यशील पूँजी
(B) परिर्वतनशील कार्यशील पूँजी
(C) नियमित एवं मौसमी कार्यशील पूँजी
(D) उपर्युक्त सभी।

Working capital may be classified into:-

(A) Permanent working capital
(B) Variable working capital
(C) Regular and seasonal working capital
(D) All of the above

27. नियोजन होता है :–

(A) अल्पकालीन (B) मध्यकालीन
(C) दीर्घकालीन (D) सभी अवधियों के लिए।

Planning is :-

(A) Short – term (B) Middle – term
(C) Long – term (D) For all term.

28. "नियोजन भविष्य को पकड़ने के लिए बनाया गया पिंजरा है।" यह कथन है :–

(A) न्यूमैन (B) हर्ले
(C) ऐलन (D) टैरी

"A Plan is a trap to capture the future." This statement is of:-

(A) Newman (B) Hurley
(C) Allen (D) Terry

Multiple Choice Answer 1 To 28.

1) D	2) C	3) A	4) A	5) C	6) A
7) B	8) A	9) A	10) A	11) A	12) B
13) A	14) A	15) B	16) D	17) D	18) B
19) C	20) B	21) C	22) B	23) C	24) D
25) A	26) D	27) D	28) C		

****

खण्ड़–II (UNIT-II)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Type Question)

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 8 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 8 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of short answer type questions are given below. 8 questions of similar type will be given in examination and answer to all 8 questions are compulsory. Each carries 3 marks)

1. सम–विच्छेद बिन्दु क्या है ?

What is Break-Even point?

जब उद्यमी नया व्यवसाय प्रारंभ करता है तो शुरूआत में उसे लाभ नही होता है, बल्कि कुछ दिनो तक उसे लाभ नही होता है और ना ही हानि होता है, जिसे सम–विच्छेद बिन्दु कहा जाता है।

In economics and business, specifically cost accounting the Break-Even point is the point at which cost or expenses and revenue are equal. There is no net loss or gain and one has “broken even point.”

2. अवसर कितने प्रकार के होते है ?

How many types of opportunities?

सामान्य स्थिति में अवसर दो प्रकार के होते है :–

i. पर्यावरण में विद्यमान अवसर :– कुछ अवसर ऐसे होते है, जो पहले से ही पर्यावरण में मौजूद है, जैसे–कागज, कपड़ा, जूता इत्यादि। बस इनमें कुछ बदलाव लाना होता है।
ii. निर्मित अवसर :– ऐसे अवसर जो पहले से मौजूद नही होते हैए इन्हे परिस्थिति के अनुसार उत्पन्न किये जाते है। जैसे–टेलिविजन, कम्प्यूटर इत्यादि।

In normal ways there are two types of opportunities:-

i. Existing opportunities in the environment: - Some opportunities are exist in our environment like there is need for some changes.
ii. Created opportunities:- Those opportunities which does not exist hence we have to create in depended on situation. Like- T.V., Computer etc.

3. पर्यावरण के मुख्य कितने प्रकार है ?

How many types of Environment?

पर्यावरण मुख्यतः दो प्रकार के होते हैः–

i. आंतरिक पर्यावरण :– आंतरिक पर्यावरण के अंर्तगत वे घटक आते है, जिन पर साहसी का नियंत्रण हो। जैसे–भूमि, उत्पादन, पूँजी, श्रम इत्यादि।
ii. बाहरी पर्यावरणः– इनके अंर्तगत वे घटक आते है, जिन पर साहसी का कोई नियंत्रण नही आते है। जैसे– प्रतियोगिता, ग्राहक, तकनीकी इत्यादि।

There are two types of Environment:-

1. Internal Environment: - Those types of environment which has full control of entrepreneur i.e., land, production, capital, labour etc.
2. External Environment: - Those types of environment which has no control of entrepreneur such as competition, customer etc.

4. उत्पाद मिश्रण क्या है ?

What is Product Mix?

उत्पाद मिश्रण से आशय किसी भौतिक वस्तु या सेवा से है। जिससे क्रेता की आवश्यकताओं की संतुष्टी होती है। यह जिसमें उत्पादन अंगो का विवेचन एवं निर्णयण होता है।

Product mix also known as assortment refers to the total number of product linear that a company offers to its customer.

5. कारखाना लागत क्या है ?

What is Factory cost?

कच्चा माल श्रम की सहायता से कारखानों में विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरते हुए पक्के माल में बदलता है, इस स्तर पर अर्थात् कारखानों में जो भी खर्च होता है, उसे कारखाना उपरिव्यय कहा जाता है, तो यह कारखाना लागत कहा जाता है।

Factory cost refers to the total cost required to manufacture goods. This concept is the basis for several cost accounting analysis that is called factory cost.

6. ब्राण्ड क्या है ?

What is Brand?

उत्पादकों अथवा निर्माताओं द्वारा अपने उत्पाद की पहचान के लिए जिस व्यापारिक चिन्ह का प्रयोग किया जाता है, उसे ब्राण्ड कहा जाता है। जिसके अंर्तगत कोई शब्द, अक्षर, प्रतीक, डिजाइन इत्यादि शामिल हो सकते है।

A brand is a product services or concept that is decided by entrepreneur and use with product name. Brand may be word, alphabet, symbol, design etc.

7. आधुनिकीकरण क्या है ?

What is Modernisation?

समय के दौर में बने रहने के लिए साहसी को अपने उत्पाद को आधुनिक बनाते रहना होगा। यह उत्पाद के रंग, किस्म, आकार, डिजाइन का प्रयोग किया जा सकता है। इस नीति से एक ओर जहाँ प्रति इकाई लागत कम होगी वही ग्राहकों की नवीनतम पसंद की आपूर्ति बनी रहेगी।

Product companies are always looking to be on the top of marketing so it is very necessary to improve in product. Improved in product in ways of colour, variety, size etc. In that case the cost of product is reduced and demand of customer impressed.

खण्ड़–III (UNIT-III)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Question

निर्देश :– यहाँ बहुत सारे दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है। परीक्षा में इसी तरह 3 प्रश्न दिये जाएँगे और सभी 3 प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। अगर परीक्षा में आप इसी तरह से प्रश्नों के उत्तर देगें तब अच्छे अंक प्राप्त कर सकेंगे।

(Numbers of long answer type questions are given below. 3 questions of similar type will be given in examination and answer to all 3 questions are compulsory. Each carries 6 marks)

8. अवसर और साहसी के बीच क्या संबंध है ?

What is the relationship between opportunities and Entrepreneurship?

अवसर तथा उद्यमी के बीच वही संबंध है जो पानी और मछली के बीच होता है। वह पानी में ही अपना भोजन तलाशती है और उसी में जिन्दा रहती है। उद्यमी रूपी मछली का पानी 'अवसर' ही तो हैं। अतः इन दोनो के बीच जीवन–मृत्यु का संबंध है। उद्यमी सबसे पहले अवसर को पहचान कर उसे चिन्हित करता है विभिन्न संबंधित जानकारी हासिल करके उसकी वास्तविकता का आकलन करता है। इसके लिए संसाधन आदि जुटाकर प्रोजेक्ट की स्थापना सुनिश्चित करता है। इस तरह उद्यमी अथवा साहसी को दो रूप बदलने पड़ते हैः–

i. पहचानकर्त्ता का रूप :– अपने इस रूप में उद्यमी पर्यावरण में व्याप्त अवसर या निर्मित अवसर में से अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप अवसर की पहचान करके उसे चिन्हित करने का काम करता है। इसके अंर्तगत सर्वप्रथम उसके मन में विचार(Ideas) जन्म लेते है, इस विचार को वह परिवेश के साथ विश्लेषित (Analysis) करता है। संबंधित जानकारी प्राप्त करके प्रोजेक्ट के औचित्य पर विचार करके मन पक्का कर लेता है कि उसे क्या करना है।

ii. प्रर्वतक का रूप :– "क्या करना है" सुंनिश्चित कर लेने के बाद अब साहसी "कैसे करना है" के मुद्दे पर विचार करता है। नव–निर्माण के द्वारा नये प्रोजेक्ट की स्थापना करता है। इस तरह साहसी के कार्य विचारो की शुरूआत से आरंभ होकर प्रोजेक्ट की स्थापना का आकार समाप्त होता है किन्तु सिर्फ प्रोजेक्ट को स्थापित कर देने मात्र से उसका कार्य समाप्त नही हो जाता बल्कि उसे लाभदायक स्थिति में बनाये रखना भी उसका कार्य है।

The relationship between opportunity and entrepreneur is similar to the water fish relationship. Fish has no chance of survival in absent of water that looks for its food in water and lives in it. To an enterprising seeing fish water is its opportunity and a life-death relationship exists between them. After obtaining various relevant information"s an entrepreneur evaluates the reality and then he determines and ensures to establish a new interprise after dual consideration in term of managing resources for it.

i. Mode of Identification: - An entrepreneur by exercising his prudence and perception identifies certain opportunities and starts contem planting on various aspects under the prevailing environment. Taking into account the existing circumstances newly innovative ideas are conceived in his mind and he begins to analyse and weigh all the pros and cons before obtaining the relevant information with regard to his planning of the project on his mind. After deliberating over all the relevant aspects he arrives at a firm decision now what to do next.

ii. Personality of the Innovator :- After determining "what to do next," an entrepreneur now comes to determine his modus operandi on the project at hand and the removes ahead and establishes the new project. As such, the job of an entrepreneur beings with the ideas which lead to the establishment of the project. But not only this, all in not yet over, rather his actual work starts now onwards as he is supported to ensure the viability of his newly established project and its sustenance in the time to come.

9. सम–विच्छेद विश्लेषण की मान्यताएँ क्या है ?

What are assumptions of Break-Even analysis?

सम–विच्छेद विश्लेषण निम्न मान्यताओं पर आधारित है :–

1) परिर्वतनशील लागत की आनुपातिकता :– यह माना जाता है कि उत्पादन के प्रत्येक स्तर पर प्रति इकाई परिर्वतनशील लागत स्थिर रहती है अर्थात् यह लागत उत्पादन की मात्रा में परिर्वतन होने पर आनुपातिक रूप में परिर्वतित होती है।
2) सम–विच्छेद विश्लेषण आधारभूत मान्यता यह है कि लागत के सभी तत्वों को दो वगों में अर्थात् स्थिर लागत और परिर्वतनशील लागत में विभाजित किया जा सकता है।
3) स्थिर लागत की निश्चितता :– शून्य उत्पादन से लेकर उत्पादन क्षमता तक किसी की मात्रा में उम्पादन करने पर स्थिर लागत की कुल राशि निश्चित और अपरिर्वर्तित रहती है।
4) लागतों का रेखीय व्यवहार :– लागतों का व्यवहार रेखीय(Linear) होता है अर्थात् लागत समंको को रेखाचित्र पर प्रदर्शित करने पर एक सीधी रेखा बनती है।
5) सामान्य मूल्य स्तर में स्थिरता :– लागत के विभिन्न तत्वों जैसें– सामाग्री, मजदूरी और अन्य व्ययों के संबंध में यह मान लिया जाता है कि निश्चित अवधि में उनमें कोई परिर्वतन नही होता।
6) तकनीकी स्थिरता :– यह मान लिया जाता है कि जिस अवधि के लिए सम–विच्छेद विश्लेषण किया जाता है, उस अवधि में उम्पादन पद्धति, मशीनों की कुशलता या तकनीकी पद्धतियो में अंतर नही होगा।

Break-even analysis is based on three following assumptions:-

1) The variable cost per unit is fixed production-oriented but undergoes a transformation proportionately in relation to a product.
2) All the elements of cost are divided into fixed or variable cost.
3) The stock valuation is restricted to a certain cost.
4) There is always coordination between production and sale.
5) This analysis is related to one product and in the event of several products sales mixture is transformed into cost.
6) The cost and receipt are influenced by the volume of production.

10. पूँजी के विभिन्न प्रकारों को वर्णन करें।

Explanin the different kinds of caital.

जिस तरह रक्त के बिना शरीर की कल्पना नही की जा सकती है ठीक उसी प्रकार पूँजी के बिना किसी भी उपक्रम को चला पाना असंभव है अर्थात् पूँजी व्यवस्था का जीवन रक्त है।

पूँजी मुख्यतः दो प्रकार के होते है :–

i. स्थायी पूँजी (Fixed capital)
ii. कार्यशील पूँजी (Working capital)

i. <u>स्थायी पूँजी (Fixed capital)</u> :– स्थायी पूँजी को अचल पूँजी भी कहते है। स्थायी पूँजी से आशय पूँजी के उस भाग से है जिसका निवेश स्थायी संपतियाँ जैसे– भूमि, भवन, मशीनरी, उपस्कर उपकरण आदि की खरीद के लिए किया जाता है फलेने एवं मिलर (Flaney & Miller) के अनुसार, "स्थायी संपतियाँ तुलनात्मक दृष्टि से स्थायी प्रकृति की होती है जिसका उपयोग व्यवसाय के संचालन में होता है और यह विक्रय के लिए नही होती है।" इस तरह की पूँजी को स्थायी कहने का कारण यह नही होता कि इनका मूल्य स्थायी होता है बल्कि इनका प्रयोग दीर्घकाल के लिए किया जाता है और इनमें तरलता का अभाव होता है। स्थायी पूँजी अंशो, ऋणपत्रो तथा प्रतिभूतियों के निर्गमन तथा विशिष्ट वित्तीय संस्थानों से दीर्घकालीन ऋणों के रूप में प्राप्त होती है।

ii. <u>कार्यशील पूँजी (Working capital)</u> :– जिस प्रकार मानव को जिन्दा रहने के लिए भोजन आवश्यक है उसी प्रकार व्यवसाय को जीवित रखने के लिए कार्यशील पूँजी की आवश्यकता होती है। किन्तु कार्यशील पूँजी आवश्यकता से अधिक या कम दोनो ही हानिकारक है। सरल शब्दों में कार्यशील पूँजी से आशय चालू संपतियों के चालू दायित्व पर आधिक्य से है। दूसरे शब्दों में यदि चालू संपतियों के योग में से चालू दायित्वों के योग को घटा दिया जाए तो जो शेष बचेगा, वह कार्यशील पूँजी कहलायेगी। चालू संपतियों से आशय उन संपतियो से है जो स्थिर न रहकर बदलती रहती है, जैसे– हाथ में रोकड़, बैंक में रोकड, विविध देनदार, अंतिम रहतिया, प्रदत आय, प्राप्य

बिल आदि जबकि चालू दायित्व से आशय उन दायित्व से है जिसका यथाशीघ्र भुगतान करना होता है जैसे–बैंक अधिविकर्ष विविध लेनदार, देयबिल, अदत व्यय आदि

Capital is of two kinds:-

i. Fixed capital
ii. Working capital

i. Fixed capital :- Fixed capital is also known as fixed assets which refers to that part of the capital which is invested on fixed assets, i.e. land, building, machinery, furniture and equipments etc. According to Flaney and Miller, "Fixed assets are assets of relatively permanent nature used in the operation of business and not intend for sale." The reason of terming it is fixed capital because its price remains the same and permanent rather it is used in the long term which lacks to liquidity. The fixed capital is obtained by issuing shares debentures and securities and securing long terms loans from various financial institutions.

ii. Working Capital :- Working capital refers to the excess of current assets on current liabilities. In other words, if the sum of current liabilities is subtracted from the total sum of current assets, whatever remains its termed as working capital. Current assets refers to those assets which continue changing rather than being fixed, viz; cash in hand, cash at bank, sundry debtors, closing stocks, bill receivable, marketable securities, prepaid expenses etc, where the current liabilities of which the immediate repayment is to be made viz; Bank overdraft, creditors, bills payable, unpaid expenses etc.

11. प्रबंध के विभिन्न विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
Explain the various characteristics of management.

1) प्रबंध एक प्रक्रिया है (Management is a process) :– प्रबंध एक प्रक्रिया है क्योंकि इसके अंर्तगत अनेक कार्य आते है जो उद्देश्यों की पूर्ति करते है। यह सामाजिक प्रक्रिया है क्योंकि प्रबंधकीय कार्य मुख्यतः लोगों के मध्य संबंधों से संबंधित है। प्रबंध एक आर्थिक क्रिया भी है क्योंकि इसमें आर्थिक साधनों का प्रयोग किया जाता है।
2) प्रबंध एक सामूहिक क्रिया है (Managemnet is a group activity) :– प्रबंध हमेशा सामूहिक प्रयासों को महत्व देता है। यह व्यक्तियों का एक समूह है जो किसी संस्था की क्रियाओं का संचालन करता है अर्थात् संस्था के उद्देश्यों की प्राप्ति अनेक व्यक्तियों की सहायता से की जाती है न कि किसी व्यक्ति विशेष के प्रयत्न से।
3) प्रबंध एक सतत् क्रिया है (Management is a continuous activity) :– व्यवसाय में निरंतर समस्याओं का समाधान व सुधार करने की आवश्यकता रहती है। इसी कारण प्रबंध को एक सतत् क्रिया कहा जाता है।
4) प्रबंध कला एवं विज्ञान दोनो है (Management is an art as well as science) :– प्रबंध का कला भी है और विज्ञान भी क्योंकि इसके वैज्ञानिक एवं कलात्मक रूपों को अलग नही किया जा सकता है। कला के रूप में प्रबंध आदि विशेषताएँ है और विज्ञान के रूप में कारण और परिणाम का संबंध, नियमों का परीक्षण, योग्यता के परिणामों का पूर्वानुमान आदि विशेषताएँ है। निः संदेह प्रबंध कला एवं विज्ञान दोनो है।
5) प्रबंध एक सामाजि क्रिया है (Management is a social process) :– प्रबंधक मुख्य रूप से संबंध व्यवसाय के मानवीय पक्ष से होता है। संस्था के सभी कर्मचारी समाज के ही अंर्तगत है। अतः इनका नेतृत्व व निर्देशन सामाजिक क्रिया के ही अंग है। इस संदर्भ में ब्रेच(Brech) के अनुसार, "प्रबंध में मानवीय तत्व का होना सामाजिक क्रिया का विशेष लक्षण प्रदान करता है।"
6) प्रबंध एक पेशा है (Management is a profession) :– व्यवसाय के जटिलताओं के कारण किसी भी व्यावसायिक संस्था का प्रबंध केवल सामान्य ज्ञान या अनुभव के आधार पर नही किया जा सकता। अपितु इसके लिए प्रबंधशास्त्र का अच्छा ज्ञाता होना चाहिए। प्रबंध विज्ञान में विशिष्ट ज्ञान, प्रशिक्षण की सुविधा, सेवा भावना,

आचार संहिता एवं विशिष्ट ज्ञान का समुचित उपयोग आदि सभी पेशे की विशेषताएँ पायी जाती है। अतः यह एक पेशा है।

Characteristics of Management:-

1) Management is a process: - Management is a process that includes various activities which lead to the attainment of predetermined objective. It is social phenomenon because managing of the activities is linked to the people who manage them. Management in also an economic activity because it uses economic sources.
2) Management is a group activity: - Management is a team work or the management always spurs a joint endeavor. It is group of people that operates that a the activities of an enterprise and the attainment of the objectives is possible by the collected efforts of a group of people rather than by an individual"s efforts.
3) Management is a Continuous activity:- In business there is a constant Endeavour of commission and omission of activities is therefore, known as perpetual or a continuous phenomenon. The size and the varying circumstances, has further complicated the process of management.
4) Management is a an art as well as science: - Management is both an art and science, as well as and are so well knitted, that are inseparable. As an art, the management refers to behavioural service efficiency, skill, constructive thoughts ideas and development through practice etc. Thus, management is a dichotomy of art and science.
5) Management is a social process:- In business, management is related to the human aspect. All the workers is an organisation are the organs of the society. Thus, their leadership and management are the part of social activities. In this context, Brech remarks, "Presence of human element in management is its testimony of a social activity."
6) Management is a profession: - In view of the constantly growing complexities is any business, depends no longer, on the general knowledge, common sense and experience only but deep knowledge of in management is the need of the hour. In management science, an extra knowledge, training facility, sence of dedication, good behavior sence and code of conduct, all in totality along-with all the essential characteristics of a profession are involved. Thus management is a profession of which the education is imparted in various universities and academic institutions.

****